NEWSLETTER

शनिवार, 05 अगस्त 2023 | वॉल्यूम - 57

भारतीय कपास उद्योग, व्यापार चाहता है कि सरकार गुणवत्ता आदेश को दूर रखे

TOP 5 NEWS OF THE WEEK

GOLD : 59522
SILVER : 72488
CRUDE OIL :6858

"कपास बाजार मौसम के परिवर्तन पर आधारित है"

कपास, एक महत्वपूर्ण फसल है जिसका उत्पादन और व्यापार भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है। मौसम के परिवर्तन, जैसे कि मॉनसून की वार्षिक आवृत्ति और वायुमंडलीय परिवर्तन, कपास के उत्पादन में महत्वपूर्ण परिवर्तन पैदा करती हैं।

कृषि विज्ञान में, हम जानते हैं कि मौसम के प्रभावों का फसलों पर गहरा असर होता है। कपास के मूल्य में उतार-चढ़ाव, उत्पादन में वृद्धि, और उपज में कमी, सभी मौसम के परिवर्तन से संबंधित हो सकती हैं। बारिश की कमी के कारण फसलों की प्राकृतिक सिंचाई की कमी हो सकती है, जिससे फसल की उपज पर असर पड़ सकता है।

इस प्रकार के परिवर्तन के साथ, किसानों और व्यापारियों को सहयोग करने के लिए योजनाएं बनानी चाहिए ताकि वे मौसम की उपेक्षा से बच सकें और व्यवसायिक स्थितियों में अधिक प्रभावी हो सकें।

यह बात लोअर राजस्थान झोन के अलवर जिले के जिनर कुलदीप गुप्ता जी ने SIS से बातचीत के दौरान बताई। कुलदीप जी पिछले 10 सालो से जिनिंग कारोबार से जुड़े है,अलवर ज़िले में कुल 28 जिनिंग फैक्ट्री संचालित है, इनकी जिनिंग एल ऍन एग्रो प्रोडक्ट प्राइवेट लिमिटेड नाम से है। इनकी जिनिंग का कपास वर्धमान, ट्राइडेंड,नाहर आदि बड़े ग्रुप को सप्लाय होता है।

आगे बताया की पुरे राजस्थान में 100% बुआई हो गई है, सितंबर तक कपास बाजार में आ सकता है, लोअर राजस्थान के नार्थ क्षेत्र में बारिश पर्याप्त मात्रा में आ चुकी है पर अब ज्यादा बारिश कपास की फसल को नुकसान कर सकती है।

किसान के लिए बताया की किसान की सबसे बड़ी समस्या बीज की है उनको अपग्रेड वाले बीज नहीं मिलने के कारण किसान कपास की फसल से विमुख होता जा रहा है, इसलिए कपास के बीज पर रिसर्च जरुरी है जिससे उसकी उपज बढ़ेगी।

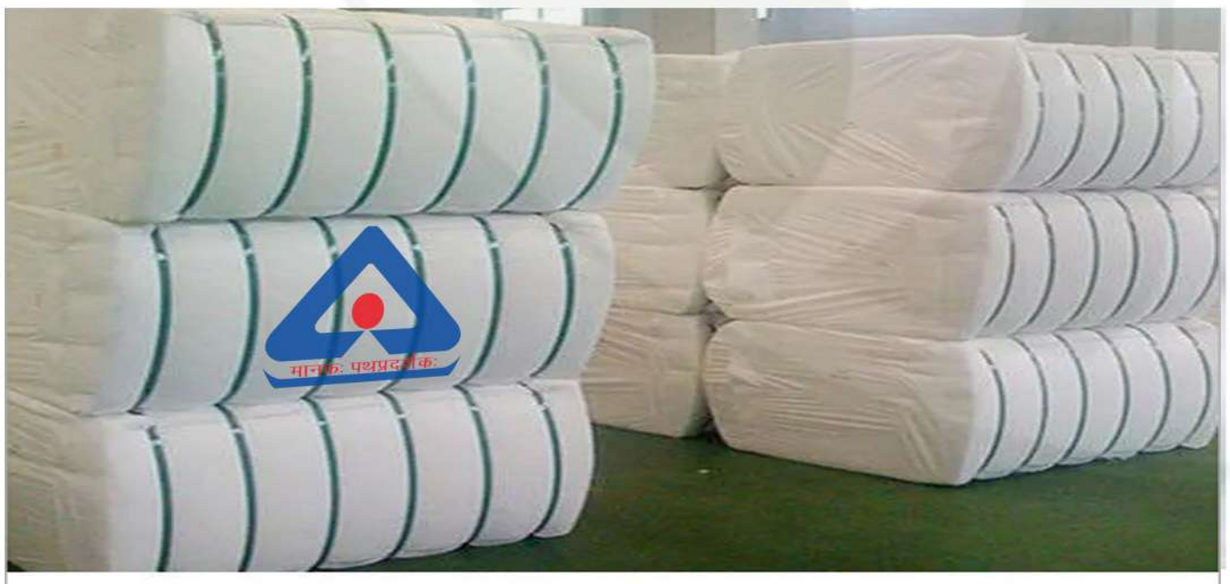

कुलदीप गुप्ता (जिनर)
एल ऍन एग्रो प्रोडक्ट प्राइवेट लिमिटेड
अलवर, राजस्थान

BIS के नियम जिनिंग व्यवसाय की वास्तविक्ता से अनजान है.

उन्होंने बताया की भारतीय कपास उद्योग BIS ने जो नियम 28,अगस्त, 2023 से लागु होने वाले है, वह जिनिंग व्यवसाय से अनजान है सबसे बड़ा मुद्दा मौसम परिवर्तन का है । कपास एक ऐसी फसल है जो मौसम से जुडी हुई है, बारिश का मौसम है तो उसमे नमी बढ़ जाती है, और गरमी के मौसम में नमी कम हो जाती है। प्राकृतिक परिवर्तन अपने हाथ में न होने के कारण कपास की गुणवत्ता में भी परिवर्तन तय है. जिनर का काम कपास से कचरा,बीज अलग करके कपास को प्रेसिंग करके गठान बनाने का है, कपास का उत्पादन करना, और उसकी क़्वालिटी बदलना जिनर के हाथ में नहीं है, इसलिए सरकार से निवेदन है की BIS नियम लागु करने से पहले उसकी वास्तविकता को जानना जरुरी है,जिनर की स्थिति इस कदर बिगड़ रही है की सरकार को इसके लिए कदम उठाना होगा। BIS कानून हकीकत में संभव नहीं है,क्योकि कपास हर एक प्रदेश के मौसम, जमीन की गुणवत्ता और प्राकृतिक परिवर्तन पर आधारित कपास का उत्पादन और गुणवत्ता में भी विभिनत्ता देखने को मिलती है, इस तरह कपास (LENTH, MIC, TRASH, MOISTURE, RD)परिवर्तन होता रहता है.

अगर इन सभी मुद्दों (PARAMETER, MOISTURE, TRASH, LABORATORY) पर सरकार का ध्यान नहीं गया तो जिनर को अपनी जिनिंग फैक्ट्री बंद करनी पड़ सकती है।

Download Our App "SIS CONNECT" For Daily Updates. CLICK HERE

FOR MORE INFORMATION
CONTACT - +91 - 91119 77771

50
Golden Jubilee Year

Maharashtra Cotton Conference 2023

Celebrating 50 years of excellence - The Jubliee celebration

"Empowering India's Cotton Industry for Inclusive Growth Because That's What We Deserve."

on

9th, 10th September 2023

The Grand Jalsa, NH 6, Ridhora Road,
Akola.

Don't miss the opportunity

Organized by
The Maharashtra Cotton Brokers Association, Akola

Registration fees: **₹5000/- + (18% GST)**

Soon Launching new Website and Payment Gateway

Email ID: mcbaconference2023@gmail.com

Supported by

Media Partner - Smart Info Services

शेयर मार्केट निवेशकों के लिए मिला-जुला रहा यह सप्ताह

कंपनी	करंट प्राइस	हाई प्राइस	लोएस्ट प्राइस	हलचल
वर्धमान टेक्सटाइल लिमिटेड	346.8	372.85	337.85	-4.90%
अरविंद लिमिटेड	136.55	140	127.95	6.72%
वेलसपन इंडिया	115.5	116.9	100.06	15.43%
नितिन स्पिनर्स	237.25	246.25	230.05	3.13%
रेमण्ड	1905	1942.25	1824	-0.57%
अक्षिता कॉटन	26.05	27.4	25.94	-4.75%

कॉटन मार्केट की साप्ताहिक हलचल पर एक नजर

SMART INFO SERVICES

CALL : 91119 77771 - 5

WEEKLY CHART 05.08.2023

ICE COTTON			
MONTH	28.07.23	4.08.23	WEEKLY CHANGE
DEC	84.26	84.29	0.03
MARCH	84.41	84.40	-0.01
MAY	84.45	84.50	0.05
MCX (COTTON)			
AUG	58500	59600	1100
NCDEX (KAPAS)			
APRIL	1539	1578	39
NCDEX (COCUD KHAL)			
AUG	2311	2520	209
SEP	2354	2561	207
DEC	2500	2624	124
SMART INFO SERVICE		**CALL : 91119 77775**	
CURRENCY ($)			
INDIAN (Rupee)	82.25	82.84	0.59
PAK (Pakistani Rupee)	285.304	285.29	-0.014
CNY (Chinese yuan)	7.14929	7.17289	0.0236
BRAZIL (Real)	4.72675	4.87328	0.14653
AUSTRALIAN Dollar	1.50396	1.51866	0.0147
MALAYSIAN RINGGITS	4.55402	4.55468	0.00066
COTLOOK "A" INDEX	94.9	95.60	0.7
BRAZIL COTTON INDEX	83.28	81.22	-2.06
USDA SPOT RATE	79.67	79.98	0.31
MCX SPOT RATE	58160	58980	820
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	17935	17700	-235
GOLD ($)	1958.85	1978.2	19.35
SILVER ($)	24.47	23.725	-0.745
CRUDE ($)	80.67	82.64	1.97

अगस्त माह के प्रथम सप्ताह में कॉटन के इंटरनेशल मार्केट में स्थिरता नजर आयी। इंटरनेशनल कॉटन एक्सचेंज के दिसंबर 23, मार्च 24 और मई 24 माह के लिए कॉटन के भाव 0.03, 0.01 और 0.05 सेंट तक बढ़े।

भारतीय बाजार में मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (MCX) पर कॉटन के दाम में बढ़ोतरी देखी गई। अगस्त माह के सौदा भाव में 1100 रूपए प्रति कैंडी बढ़ कर 59,600 रुपए पहुंचे।

एनसीडीएक्स पर कपास के भाव इस बार 39 रूपए प्रति 20 किलो तक की बढ़त देखी गई वही खल के भाव में अगस्त, सितम्बर और दिसंबर माह के लिए क्रमशः 209, 207 और 124 रूपए प्रति क्विंटल की बढ़त हुई।

अन्य देशों के एक्सचेंज मार्केट पर नजर करें तो कॉटलुक "ए" इंडेक्स पर 0.70 अंक की बढ़त आयी, ब्राजील कॉटन इंडेक्स पर 2.06 की गिरावट वही एमसीएक्स स्पॉट रेट पर 820 अंक की बढ़त दर्ज की गई है। इसके साथ यूएसडीए स्पॉट रेट पर 0.31 की बढ़त देखने को मिली है। पाकिस्तान के केसीए स्पॉट रेट पर सप्ताहअंत तक 235 रुपए तक भाव घटे।

भारतीय कपास उद्योग, व्यापार चाहता है कि सरकार गुणवत्ता आदेश को दूर रखे

कॉटन बेल्स (गुणवत्ता नियंत्रण) आदेश, 28 अगस्त , 2023 से लागू होने के साथ, कपड़ा संगठनों और व्यापार संघों ने कार्यान्वयन को बाद की तारीख तक टालने के लिए कपड़ा मंत्रालय से संपर्क करना शुरू कर दिया है।

कपास क्यूसीओ (गुणवत्ता नियंत्रण आदेश) के रूप में जाना जाने वाला यह आदेश 28 फरवरी को केंद्रीय कपड़ा मंत्रालय द्वारा अधिसूचित किया गया था, जिसमें कहा गया था कि यह राजपत्र में प्रकाशन के 180 दिन बाद लागू होगा। यह प्रसंस्कृत कपास (गिना हुआ) और असंसाधित या कच्चा कपास (कपास) पर लागू होता है।

आदेश में गिने हुए कपास की गांठों के साथ-साथ गांठों की पैकिंग के लिए उपयोग की जाने वाली सामग्रियों की आवश्यकताओं के लिए कुछ मानदंड निर्धारित किए गए हैं।

क्यूसीओ निर्दिष्ट करता है कि कपास की गांठों के लिए नमी की मात्रा 8 प्रतिशत होनी चाहिए। इसमें जिनिंग मिलों को कम से कम 5 प्रतिशत गांठों का परीक्षण करना आवश्यक है, जबकि गांठों में कचरा सामग्री 3 प्रतिशत से अधिक नहीं होनी चाहिए।

तमिलनाडु स्पिनिंग मिल्स एसोसिएशन (टीएएसएमए) के मुख्य सलाहकार के वेंकटचलम के अनुसार, क्यूसीओ आयातित कपास पर भी लागू होगा और इससे कुछ "परेशानी" पैदा हो सकती है।

TASMA के अध्यक्ष एपी अप्पुकुट्टी ने वाणिज्य और कपड़ा मंत्री पीयूष गोयल को एक ज्ञापन में, QCO के कार्यान्वयन को तब तक स्थगित करना चाहा जब तक कि घरेलू और आयातित कपास के सभी हितधारकों के बीच आम सहमति नहीं बन जाती।

उन्होंने मंत्री से आयात को इस आदेश से छूट देने के लिए एक विशिष्ट आदेश जारी करने का आग्रह किया क्योंकि इसे गुणवत्ता वाले धागे के रूप में मूल्य जोड़कर फिर से निर्यात किया जाएगा।

उन्होंने कहा, इसके अलावा, विदेशों में देशों के अपने मानक हैं और शिपर्स के लिए मानकों को पूरा करना मुश्किल हो सकता है।

नमी पर मौसम का असर

सीएआई के अध्यक्ष अतुल गनात्रा ने गोयल से कहा कि जिनर्स को कपास की गांठों में 8 फीसदी नमी सुनिश्चित करना मुश्किल होगा। ऐसा इसलिए है क्योंकि अक्टूबर-दिसंबर के दौरान लिंट (प्रसंस्कृत कपास) में नमी का स्तर 10-12 प्रतिशत होगा, जबकि कपास (कच्चा कपास) में यह 15-25 प्रतिशत होगा।

सीएआई अध्यक्ष ने कहा कि जिनर्स को 5 प्रतिशत गांठों का परीक्षण करना आवश्यक है लेकिन उनके पास इसके लिए पर्याप्त बुनियादी ढांचे का अभाव है। कचरा सामग्री की अधिकतम सीमा का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि राजस्थान, पंजाब और हरियाणा के कपास में 4 प्रतिशत से अधिक कचरा है।

बीआईएस के समक्ष मुद्दा उठाया गया

इसी प्रकार, किस्म की बुनियादी विशेषताओं को देखते हुए वी-797 कपास में कचरा सामग्री 12-15 प्रतिशत है। गनात्रा ने कहा, "कपास एक प्राकृतिक उत्पाद है और इसलिए, कपास के मापदंडों का मानकीकरण हासिल करना बेहद मुश्किल है।"

एसोसिएशन के अध्यक्ष शांतिलाल एम ओस्तवाल ने कहा कि उचित परीक्षण बुनियादी ढांचा उपलब्ध होने तक क्यूसीओ के कार्यान्वयन को स्थगित किया जाना चाहिए क्योंकि केवल कुछ प्रयोगशालाएं हैं जो राष्ट्रीय परीक्षण और अंशांकन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीएल) द्वारा मान्यता प्राप्त हैं।

'एपीएमसी यार्ड में कार्यान्वयन'

उन्होंने कहा कि जिनिंग उद्योग सभी निर्धारित पैकेजिंग आवश्यकताओं का पालन करने के लिए तैयार है, लेकिन कृषि उपज विपणन समिति (एपीएमसी) यार्ड में मापदंडों को लागू करना अनिवार्य है, जहां से सबसे पहले कपास की खरीद की जाती है।

केसीए अध्यक्ष ने कहा कि एकल और एकाधिकार प्रयोगशाला की स्थापना से विवाद पैदा हो सकता है। इसलिए, विक्रेताओं और खरीदारों को ऐसी प्रयोगशालाओं के उपयोग पर पारस्परिक रूप से सहमत होना चाहिए और "व्यावसायिक संचालन में व्यवधानों को रोकने के लिए विवादों को सुलझाने तक ही सीमित रहना चाहिए"।

उन्होंने कहा कि सिस्टम में किसी भी अस्पष्टता या अनिश्चितता की स्थिति में, जिनिंग सेक्टर सभी मुद्दों के स्पष्ट और हल होने तक परिचालन रोकने को तैयार रहेगा।

TOP 5 NEWS OF THE WEEK

आरएसडब्ल्यूएम ने बांसवाड़ा में कॉम्पैक्ट सूती धागा क्षमता में ₹315 करोड़ निवेश करने की योजना बनाई है

आरएसडब्ल्यूएम लिमिटेड ने लोढ़ा यूनिट, बांसवाड़ा (राजस्थान) में अपनी कॉम्पैक्ट सूती धागा क्षमता के विस्तार के लिए ₹315 करोड़ का निवेश करने का निर्णय लिया है। वर्तमान में, कंपनी की बांसवाड़ा इकाई की कुल स्पिंडल क्षमता 95,376 है, और नए निवेश के साथ, स्पिंडल क्षमता 51,072 तक बढ़ने की उम्मीद है। जिस अवधि में क्षमता जोड़ी जानी है वह वित्त वर्ष 2023-24 है।

कपास की कीमतों ने जिनर्स, स्पिनिंग मिलो को मुश्किल में डाला।

कपास की कीमतों में अस्थिरता गुजरात के संपन्न कताई उद्योग को प्रभावित कर रही है। अधिकांश सीज़न में भारतीय सूती धागे की कीमतें वैश्विक स्तर से अधिक रहने के कारण, कई जिनिंग और स्पिनिंग इकाइयों को लगातार दूसरे वर्ष घाटे का सामना करना पड़ रहा है।

तमिलनाडु : "तटीय डेल्टा जिलों में कपास की नीलामी: 62,000 टन से 39.81 करोड़ रुपये में बड़ा सौदा"

कृषि बाजार समिति के अधिकारियों ने कहा कि यह पिछले साल की इसी अवधि के लिए नीलाम की गई मात्रा से दोगुने से भी अधिक है।

इस वित्त वर्ष में विस्कोस स्टेपल यार्न उद्योग का राजस्व 10-12% बढ़कर 2.5 अरब डॉलर हो जाएगा: क्रिसिल

रिपोर्ट में बताया गया है कि भारतीय विस्कोस स्टेपल यार्न (वीएसवाई) उद्योग का राजस्व 2.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक के सर्वकालिक उच्च स्तर को छूने की उम्मीद है।

पाकिस्तान: 31 जुलाई तक रिकॉर्ड 1.43 मिलियन कपास गांठों का उत्पादन हुआ

31 जुलाई तक कपास की अभूतपूर्व 1.429 मिलियन गांठें जिनिंग फैक्ट्रियों में पहुंचीं क्योंकि कपास उगाने वाले किसी भी क्षेत्र से फसल के लिए कोई महत्वपूर्ण कीट खतरा नहीं बताया गया था।

कॉटन फिजिकल मार्केट अगस्त माह के प्रथम सप्ताह में कॉटन के भाव में अधिक तेजी देखी गई।

यह सप्ताह कॉटन फिजिकल मार्केट के लिए तेजी वाला रहा। नार्थ, सेंट्रल और साउथ तीनों ही झोन में कॉटन के भाव में तेजी देखी गई।

नार्थ झोन हरयाणा में सबसे कम 25 रुपए प्रति मंड की तेजी देखी गई वही पंजाब और अपर राजस्थान में सबसे ज्यादा 100 रुपए प्रति मंड की तेजी देखी गई। हरयाणा में कॉटन के भाव 5,800 से 5,900 देखे गए।

वही सेंट्रल झोन के गुजरात राज्य में सबसे ज्यादा 1,200 रूपए प्रति कैंडी की बढ़त देखने को मिली। जबकि महाराष्ट्र में 1,000 रुपए तक की तेजी हुई, मध्य प्रदेश में सबसे कम 300 रूपये की तेज़ी देखी गई।

साउथ झोन में भी मार्केट में बढ़त जारी रही। सबसे ज्यादा ओड़िशा, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में 500 रूपए प्रति कैंडी तक की बढ़त देखी जबकि कर्नाटक स्थिर रहा

SMART INFO SERVICES
india.smartinfo@gmail.com
Call : 91119 77775

DATE: 05.08.2023

WEEKLY COTTON BALES MARKET

STATE	STAPLE LENGTH	31.07.23		05.08.23		AVERAGE PRICE
		LOW	HIGH	LOW	HIGH	
NORTH ZONE						
PUNJAB	28.5	5,925	6,025	6,025	6,125	100
HARYANA	27.5/28	5,750	5,850	5,800	5,900	50
UPER RAJASTHAN	28	6,050	6,150	6,150	6,250	100
CENTRAL ZONE						
GUJARAT	29	57,500	58,200	58,800	59,400	1,200
MADHYA PRADESH	29	58,000	58,500	58,200	58,800	300
MAHARASHTRA	29 vid.	57,000	58,000	58,000	59,000	1,000
SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77775						
SOUTH ZONE						
ODISHA	29.5	59,200	59,300	59,700	59,800	500
KARNATAKA	29.5/30 mm	59,000	59,500	59,000	59,500	0
ANDHRA PRADESH	29.5/30 mm	59,000	59,500	59,500	60,000	500
TELANGANA	29.5/30 mm 78-80 RD	59,000	59,500	59,200	60,000	500

NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.
Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy

NEWSLETTER

Saturday, 05 August 2023 | Volume - 57

Indian cotton industry, trade want government to do away with quality order

TOP 5 NEWS OF THE WEEK

GOLD :59522
SILVER : 72488
CRUDE OIL : 6858

"Cotton market is based on the change of season"

Cotton, an important crop whose production and trade is vital to the Indian economy. Climate changes, such as the annual frequency of monsoons and atmospheric changes, cause significant changes in cotton production.

In agricultural science, we know that the effects of weather have a profound effect on crops. Fluctuations in the price of cotton, increases in production, and decreases in yield can all be related to changes in the weather. Due to lack of rain, the natural irrigation of crops may decrease, which may affect the yield of the crop.

With this type of change, plans must be made to support farmers and traders so that they can avoid weather neglect and be more effective in business situations.

Jinar Kuldeep Gupta of Alwar district of Lower Rajasthan zone told this during a conversation with SIS. Kuldeep ji is associated with ginning business since last 10 years, there are 28 ginning factories operating in Alwar district, their name is ginning LN Agro Products Private Limited. The cotton of their ginning is supplied to big groups like Vardhaman, Tridend, Nahar etc.

It was further told that 100% sowing has been done in entire Rajasthan, cotton may come in the market by September, rains have come in sufficient quantity in the north region of Lower Rajasthan, but now more rains can damage the cotton crop.

It was told for the farmer that the biggest problem of the farmer is the seed, due to not getting the upgraded seeds, the farmer is turning away from the cotton crop, so research is necessary on the cotton seed, which will increase his yield.

Kuldeep Gupta (Ginner)
L N Agro Products Private Limited
Alwar, Rajasthan

BIS rules are ignorant of the reality of Ginning business.

He told that the Indian cotton industry is unaware of the ginning business, which is going to be implemented from August 28, 2023 by BIS, the biggest issue is climate change. Cotton is such a crop which is related to the weather, in the rainy season, the moisture in it increases, and in the summer, the moisture decreases. Due to natural change not being in our hands, change in the quality of cotton is also certain. Giner's job is to separate cotton from waste, seed and press cotton to make bales, producing cotton, and changing its quality is not in Giner's hands, so government is requested to check its reality before implementing BIS rules. It is important to know, the condition of Jinar is deteriorating to such an extent that the government will have to take steps for it. BIS law is not possible in reality, because there is variation in the production and quality of cotton based on weather, soil quality and natural changes in each region, thus cotton (LENTH, MIC, TRASH, MOISTURE, RD) changes keep happening.

If the government does not pay attention to all these issues (PARAMETER, MOISTURE, TRASH, LABORATORY), then the ginner may have to close its ginning factory.

Download Our App "SIS CONNECT" For Daily Updates. CLICK HERE

FOR MORE INFORMATION
CONTACT - +91 - 91119 77771

This Week's Performance in the Stock Market for Investors

COMPANY	CURRENT PRICE	HIGH PRICE	LOW PRICE	MOVEMENT
VARDHMAN TEXTILE LIMITED	346.8	372.85	337.85	-4.90%
ARVIND LIMITED	136.55	140	127.95	6.72%
WELSPUN INDIA	115.5	116.9	100.06	15.43%
NITIN SPINNERS	237.25	246.25	230.05	3.13%
RAYMOND	1905	1942.25	1824	-0.57%
AXITA COTTON	26.05	27.4	25.94	-4.75%

A look at the weekly movement of the cotton market

SMART INFO SERVICES

CALL : 91119 77771 - 5

WEEKLY CHART 05.08.2023

ICE COTTON			
MONTH	28.07.23	4.08.23	WEEKLY CHANGE
DEC	84.26	84.29	0.03
MARCH	84.41	84.40	-0.01
MAY	84.45	84.50	0.05
MCX (COTTON)			
AUG	58500	59600	1100
NCDEX (KAPAS)			
APRIL	1539	1578	39
NCDEX (COCUD KHAL)			
AUG	2311	2520	209
SEP	2354	2561	207
DEC	2500	2624	124
SMART INFO SERVICE		**CALL : 91119 77775**	
CURRENCY ($)			
INDIAN (Rupee)	82.25	82.84	0.59
PAK (Pakistani Rupee)	285.304	285.29	-0.014
CNY (Chinese yuan)	7.14929	7.17289	0.0236
BRAZIL (Real)	4.72675	4.87328	0.14653
AUSTRALIAN Dollar	1.50396	1.51866	0.0147
MALAYSIAN RINGGITS	4.55402	4.55468	0.00066
COTLOOK "A" INDEX	94.9	95.60	0.7
BRAZIL COTTON INDEX	83.28	81.22	-2.06
USDA SPOT RATE	79.67	79.98	0.31
MCX SPOT RATE	58160	58980	820
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	17935	17700	-235
GOLD ($)	1958.85	1978.2	19.35
SILVER ($)	24.47	23.725	-0.745
CRUDE ($)	80.67	82.64	1.97

There was stability in the international cotton market in the first week of August. Cotton prices for the months December 23, March 24 and May 24 at the International Cotton Exchange rose by 0.03, 0.01 and 0.05 cents, respectively.

An increase in the price of cotton was observed on the Multi Commodity Exchange (MCX) in the Indian market. In the month of August, the bargain price increased by Rs. 1100 per candy and reached Rs. 59,600.

Cotton prices on NCDX this time saw an increase of up to Rs.39 per 20 kg, while the prices of khal increased by Rs.209, 207 and Rs.124 per quintal respectively for the months of August, September and December.

Looking at the exchange market of other countries, the Cotlook "A" index gained 0.70 points, the Brazil Cotton index declined by 2.06 points, and the MCX spot rate gained 820 points. With this, there has been an increase of 0.31 on the USDA spot rate. At the KCA spot rate of Pakistan, the price decreased by Rs 235 by the end of the week.

Indian cotton industry, trade want government to do away with quality order

With the Cotton Bales (Quality Control) Order coming into effect from August 28, 2023, textile organizations and trade associations have started approaching the Ministry of Textiles to defer the implementation to a later date.

The order, known as the Cotton QCO (Quality Control Order), was notified by the Union Ministry of Textiles on February 28, which said it would come into force 180 days after its publication in the gazette. This applies to processed cotton (counted) and unprocessed or raw cotton (cotton).

The order laid down certain norms for the numbered cotton bales as well as the requirements for the materials used for packing the bales.

The QCO specifies that cotton bales should have a moisture content of 8 per cent. In this, ginning mills are required to test at least 5 percent of the bales, while the waste content in the bales should not exceed 3 percent.

According to K Venkatachalam, chief advisor to the Tamil Nadu Spinning Mills Association (TASMA), the QCO will apply to imported cotton as well and this could cause some "trouble".

TASMA President AP Appukutty, in a memorandum to Commerce and Textiles Minister Piyush Goyal, sought to defer the implementation of the QCO until a consensus is reached among all stakeholders in domestic and imported cotton.

He urged the minister to issue a specific order to exempt imports from this order as it would be re-exported by adding value in the form of quality yarn.

Besides, countries abroad have their own standards and it may be difficult for shippers to meet the standards, he said.

Effect of weather on humidity

CAI President Atul Ganatra told Goyal that ginners would find it difficult to ensure 8 per cent moisture in cotton bales. This is because during October-December the moisture level in lint (processed cotton) will be 10-12 per cent, while in cotton (raw cotton) it will be 15-25 per cent.

The CAI President said that ginners are required to test 5 per cent of the bales but they lack adequate infrastructure for the same. Referring to the maximum limit of garbage content, he said that cotton from Rajasthan, Punjab and Haryana has more than 4 per cent garbage.

Issue taken up with BIS

Similarly, considering the basic characteristics of the variety, the waste content in V-797 cotton is 12-15%. “Cotton is a natural product and hence, standardization of cotton parameters is extremely difficult to achieve,” Ganatra said.

Association president Shantilal M Ostwal said the implementation of QCO should be postponed till proper testing infrastructure is available as there are only a few laboratories which are accredited by the National Accreditation Board for Testing and Calibration Laboratories (NABL).

'Implementation in APMC Yard'

He said that the ginning industry is ready to follow all the prescribed packaging requirements, but it is mandatory to implement the norms in the Agricultural Produce Marketing Committee (APMC) yards from where the cotton is first procured.

The KCA president said that setting up a single and monopoly laboratory could lead to controversy. Hence, sellers and buyers should mutually agree on the use of such laboratories and "refuse to resolve disputes to prevent disruptions in business operations".

He added that in the event of any ambiguity or uncertainty in the system, Jining Sector will be prepared to halt operations until all issues are clarified and resolved.

TOP 5 NEWS OF THE WEEK

RSWM plans to invest ₹315 crore in compact cotton yarn capacity in Banswara

RSWM Limited has decided to invest ₹315 crore for expansion of its compact cotton yarn capacity at Lodha Unit, Banswara (Rajasthan). At present, the total spindle capacity of the company's Banswara unit is 95,376, and with the new investment, the spindle capacity is expected to increase to 51,072. The period for which the capacity is to be added is the financial year 2023-24.

Cotton prices put ginners, spinning mills in trouble.

The volatility in cotton prices is affecting Gujarat's thriving cotton spinning industry. With Indian cotton yarn prices higher than global levels for most of the season, many ginning and spinning units are facing losses for the second year in a row.

Tamil Nadu: "Cotton auction in coastal delta districts: 62,000 tonnes fetches big deal at Rs 39.81 crore"

This is more than double the quantity auctioned for the same period last year, said Agriculture Market Committee officials.

Viscose staple yarn industry revenue to grow by 10-12% to $2.5 billion this fiscal: Crisil

The report highlights that the revenue of the Indian viscose staple yarn (VSY) industry is expected to touch an all-time high of over US$ 2.5 billion.

Pakistan: Record 1.43 million bales of cotton produced till July 31

An unprecedented 1.429 million bales of cotton arrived at ginning factories as of July 31 as no significant pest threat to the crop was reported from any cotton-growing region.

Cotton physical market saw a sharp rise in cotton prices in the first week of August.

This week turned out to be a bullish one for the cotton physical market. The rise in cotton prices was seen in all the three zones North, Central and South.

The lowest rate of increase of Rs 25 per mand was seen in North Zone Haryana, while the maximum rate of Rs 100 per mand was seen in Punjab and Upper Rajasthan. Cotton prices were seen in the range of 5,800 to 5,900 in Haryana.

The state of Gujarat in the Central Zone saw the highest increase of Rs 1,200 per candy. While Maharashtra saw a rise of up to Rs 1,000, Madhya Pradesh saw the lowest rise of Rs 300.

The market continued to grow in the South Zone as well. Odisha, Andhra Pradesh and Telangana saw maximum increase of up to Rs 500 per candy while Karnataka remained stable

SMART INFO SERVICES
india.smartinfo@gmail.com
Call : 91119 77775

DATE: 05.08.2023

WEEKLY COTTON BALES MARKET

STATE	STAPLE LENGTH	31.07.23		05.08.23		AVERAGE PRICE
		LOW	HIGH	LOW	HIGH	
NORTH ZONE						
PUNJAB	28.5	5,925	6,025	6,025	6,125	100
HARYANA	27.5/28	5,750	5,850	5,800	5,900	50
UPER RAJASTHAN	28	6,050	6,150	6,150	6,250	100
CENTRAL ZONE						
GUJARAT	29	57,500	58,200	58,800	59,400	1,200
MADHYA PRADESH	29	58,000	58,500	58,200	58,800	300
MAHARASHTRA	29 vid.	57,000	58,000	58,000	59,000	1,000
SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77775						
SOUTH ZONE						
ODISHA	29.5	59,200	59,300	59,700	59,800	500
KARNATAKA	29.5/30 mm	59,000	59,500	59,000	59,500	0
ANDHRA PRADESH	29.5/30 mm	59,000	59,500	59,500	60,000	500
TELANGANA	29.5/30 mm 78-80 RD	59,000	59,500	59,200	60,000	500
NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.						
Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy						